महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

क्र./आई.क्यू. ए. सी/20/11 दिनांक – 24.12.2020

आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

सूचना

प्रति,

सम्माननीय सदस्य गण

आई. क्यू. ए. सी.

म.पा.सं.वि.वि, उज्जैन

विषय – आई. क्यू. ए. सी की वैठक में उपस्थित होने विषयक।

महोदय,

सहर्ष सूच्य है कि आई.क्यू.ए.सी की छठी वैठकआई.क्यू.ए.सी के अध्यक्ष माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार दिनांक 03.01.2021 को गुगल मीट् पर ऑनलाइन वैठक आयोजित की गई है।

कृपया उपस्थित होकर बहुमूल्य सुझावों से उपकृत करने का कष्ट करें।

संलग्न – वैठक की कार्यसूची

निदेशक

आई.क्यु.ए.सी

क्र./आई.क्यू. ए. सी/20/12 दिनांक – 24.12.2020

प्रतिलिपि सूचनार्थ–

1. माननीय कुलपति के निज सहायक, म.पा.सं.वै.वि.वि, उज्जैन
2. श्रीमान् कुलसचिव के निज सहायक, म.पा.सं.वै.वि.वि, उज्जैन
3. वित्त नियन्त्रक, म.पा.सं.वै.वि.वि, उज्जैन
4. सभी सम्माननीय सदस्य गण की ओर सूचनार्थ
5. गार्डफाइल

निदेशक

आई.क्यु.ए.सी

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

क्र./मपासंवि/आई.क्यू. ए. सी/20/10 दिनांक - 09.07.2020

आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

पञ्चम वैठक का कार्यवृत्त

वैठक दिनांक – 09 जुलाई 2020

वैठक का समय – 11.00 A.M

विषय क्रमांक 01 – चतुर्थ वैठक में की गई संस्तुतिओं के कार्यान्वयन का अनुमोदन।

क्र. 01 – विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की धारा 12(B) की मान्यता प्राप्ति हेतु तैयारी।

टीप – विश्वविद्यालय के अधोसंरचना विकास तथा विविध एकाडेमिक आयोजनों के लिए व्यय होने वाले धन की सम्पूर्ति के लिए यह आवश्यक है कि विश्वविद्यालय को UGC की 12(B) की मान्यता यथाशीघ्र मिले। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा तय मापदण्डों की पूर्ति विश्वविद्यालयों को करना आवश्यक है। जिसके अंतर्गत न्यूनतम पाँच शैक्षणिक विभागों में एक आचार्य, दो सह- आचार्य तथा चार सहायक आचार्यों की नियमित नियुक्ति होना अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही भूमि, भवन तथा अधोसंरचना भी उपलब्ध हो।

संस्तुति - शासन द्वारा पाँच शैक्षणिक विभागों के लिए आचार्यों के पद स्वीकृत है किन्तु अनुदान के अभाव में पदपूर्ति नहीं हो पा रही है। अतः शासन को पत्र लिखकर पदपूर्ति करने की अनुमति तथा अनुदान प्राप्ति सम्बन्धी कार्यवाही शीघ्र की जानी चाहिये।

कार्यान्वयन – स्थापना शाखा द्वारा कार्यवाही प्रक्रिया में है।

क्र. 02 – राष्ट्रीय मूल्याङ्कन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) की मान्यता प्राप्ति हेतु तैयारी करना।

टीप – राष्ट्रीय मूल्याङ्कन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) की मान्यता प्राप्त करना विश्वविद्यालय के लए अत्यंत आवश्यक है। शैक्षणिक गुणवत्ता विकास, अधोसंरचना विकास, शोध परियोजना एवं एकाडेमिक कार्यों के लिए प्राप्त होने वाली विविध अनुदानों का आधार NAAC द्वारा प्राप्त ग्रेड होती है।

संस्तुति - नैक द्वारा ग्रेडिंग के आधारभूत सात बिन्दु हैं, अतः यह उचित होगा कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत आचार्यों को एक एक बिन्दु की सम्पूर्ति हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के लिए जिम्मेदारी दी जाये, जिसे छः से

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

आठ महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखकर पूर्ण किया जाये एवं NAAC टीम से विश्वविद्यालय का निरीक्षण करवाने की प्रक्रिया की जाए।

कार्यान्वयन – आई. क्यू. ए. सी. द्वारा कार्य प्रगति पर है।

क्र. 03 – विश्वविद्यालय में संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लेखन, मुद्रण तथा प्रकाशन पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लेखन मुद्रण तथा प्रकाशन का कार्य विश्वविद्यालय द्वारा प्राथमिकता क्रम में किया जाना चाहिये। विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित ग्रन्थों से विद्यार्थियों को तथा अन्य इच्छुक अध्येताओं को अत्यन्त लाभ मिलेगा।

संस्तुति - पाठ्यक्रमों की यूनिट के अनुसार अथवा पूरा एक पाठ्यक्रम का लेखन विद्वान् तथा अनुभवी लेखकों से कराया जाना चाहिये। विश्वविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की इसमें अधिकाधिक सहभागिता हो तो अच्छा रहेगा। पाठ्यक्रम लेखको को विद्यापरिषद द्वारा अनुशंसित मानदेय रू. 1000/- भी प्रदान किया जाना उचित होगा तथा लिखित पाठ्यक्रम को ISBN में विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित किया जाना उचित होगा।

कार्यान्वयन – संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा प्रक्रिया में है।

क्र. 04 – विश्वविद्यालय के शोध केन्द्र/ शिक्षण केन्द्र मध्यप्रदेश के विविध अञ्चलों में स्थापित करने विषयक।

टीप - विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की सम्पूर्ति के ले यह आवश्यक है कि विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में, तत् तत् स्थानों में कार्यरत शैक्षणिक संस्थाओं के साथ अनुबन्ध करके शिक्षण केन्द्र तथा शोध केन्द्र स्थापित किये जायें। जहाँ प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, डिग्री, पाठ्यक्रमों के अध्यापन के साथ शोधकार्य भी कराया जा सके।

संस्तुति – टीप अनुसार कार्यवाही की जाए। डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रमों को अध्यापन ऑनलाइन भी किया जा सकता है केवल परीक्षा देने के ले विद्यार्थी परीक्षा केन्द्रों में आये, इससे नौकरी पेशा तथा व्यापार आदि अन्य कार्य में लगे हुए व्यक्ति भी लाभान्वित हो सकेंगे। कक्षायें शाम को या रात्रि में चलायी जा सकती है।

कार्यान्वयन – संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा प्रक्रिया में है।

क्र. 05 – विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (ओपन डिस्टेंस एजूकेशन) आरम्भ करने पर विचार।

टीप - दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम आज की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता है। हर आयुवर्ग के व्यक्तियों का रुझान संस्कृत शिक्षा के प्रति बढ़ रहा है। किन्तु दूरस्थ व्यक्ति चाहकर भी कक्षाओं में उपस्थित नही हो पाता है। जो नौकरी आद किसी भी प्रकार के सेवाकार्य व्यवसाय आदि में लगे हुए है उनके लिए दूरस्थ शिक्षा अत्यन्त उपयोगी होती है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

संस्तुति - यह विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त उपयोगी एवं लाभदायक पाठ्यक्रम है। अतः दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्र प्रारम्भ करने हेतु इग्नू से मार्गदर्शन लिया जा सकता है।

कार्यान्वयन – कुलसचिव कार्यालय द्वारा कार्ययोजना वनाई जा रही है।

क्र. 06 – शास्त्री शिक्षाशास्त्री (B.A. + B. Ed.) एकीकृत पाठ्यक्रम/विभाग की अधोसंरचना विकास तथा NCTE द्वारा वांछित अर्हताओं की पूर्ति।

टीप - शास्त्री + शिक्षाशास्त्री (B.A. + B. Ed.) एकीकृत पाठ्यक्रम के लिए अपेक्षित अधोसंरचनाओं की पूर्ति किया जाना अत्यावश्यक है। NCTE द्वारा वांछित अर्हताओं में नियमित प्राध्यापकों की नियुक्ति, पर्याप्त अध्यापन कक्ष, सेमीनार हाल (200 सीटों का) कम्प्यूटर प्रयोगशाला, मनोविज्ञान प्रयोगशाला, स्टाफ रूप, HOD रूप, कार्यालय, कीडांगण आदि की अनिवार्य अपेक्षा है।

संस्तुति – उक्त की पूर्ति किये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाये। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से अपेक्षित अनुदान के लिए शासन को मांगपत्र प्रेषित किया जाना चाहिये।

कार्यान्वयन – कुलसचिव कार्यालय द्वारा प्रक्रिया में है।

क्र. 07 – विश्वविद्यालय परिसर में नक्षत्र वाटिका, यज्ञशाला, कम्प्यूटर लैब, योगभवन, स्मार्ट क्लासरूम आदि की व्यवस्था करने पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में ज्योतिष, वेद (कर्मकाण्ड), कम्प्यूटर, योग आदि प्रायोगिक विषयों का अध्ययन-अध्यापन चल रहा है। अतः उक्त विषयों के प्रायोगिक अध्ययन के लिए संसाधनों की महती आवश्यकता है।

संस्तुति - ज्योतिष नक्षत्र वाटिका, यज्ञशाला, कम्प्यूटर लैब, योग भवन तथा स्मार्ट क्लास रूप की व्यवस्था करने हेतु कार्यवाही की जानी जाहिये। इसे चरणबद्ध तरीके से आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए किया जा सकता है।

कार्यान्वयन – निर्माण शाखा/स्थापना शाखा कार्ययोजना वनाई जा रही है।

क्र. 08 – ग्रन्थालय (पुस्तकालय) को समृद्ध तथा सुविधायुक्त बनाने पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में पुस्तकालय के लिए भवन नही है, अभी यह अध्यापन कक्ष में ही चल रहा है। पुस्तकें भी अत्यधिक न्यून है।

संस्तुति - पुस्तकालय शिक्षण संस्थान की आत्मा कहा गया है, अतः इसकी समुचित व्यवस्था किया जाना सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिये। पुस्तकालय भवन तथा पुस्तकें क्रय करने हेतु आवश्यक बजट बनाकर शासन की और मांगपत्र भेजा जाना चाहिये।

कार्यान्वयन – पुस्तकालय विभाग द्वारा कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

क्र. 09 – शिक्षण/अध्यापन कक्षों पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में इस समय चार संकाय तथा सात शिक्षण विभाग चल रहे है। पाठ्यक्रमों/कक्षाओं की संख्या 20 से अधिक है। जबकि अभी विश्वविद्यालय के पास केवल 08 कक्ष ही अध्यापन के लिए है।

संस्तुति - अध्यापन कक्षों की अत्यन्त न्यूनता है। अतः प्रथम चरण में न्यूनतम 10 अध्यापन कक्षों के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजना आवश्यक होगा।

कार्यान्वयन – निर्माण शाखा द्वारा कार्य प्रक्रिया में है।

क्र. 10 – प्राध्यापकों की क्रमोन्नति/पदोन्नति/अग्रिम वेतनमान में स्थानन करने पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में कार्यरत नियमित प्राध्यापकों के क्रमोन्नति/पदोन्नति की प्रक्रिया किया जाना है।

संस्तुति – इस हेतु एक आंतरिक समिति का गठन किया जाना चाहिये जो सम्बन्धित प्राध्यापक की शैक्षणिक परिलब्धियों की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करे। पश्चात् सहायक आचार्यों के क्रमोन्नति हेतु विशेषज्ञ समिति का गठन कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जानी चाहिये। इसी क्रम में एसो.प्रोफेसर से प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत करने हेतु विशेषज्ञ समिति का गठन कर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण की जानी जाहिये। उक्त प्रक्रिया यूजीसी तथा म.प्र.शासन के नियमों के अधीन सम्पादित की जानी चाहिये।

कार्यान्वयन – स्थापना शाखा द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

क्र. 11 – विभागीय संगोष्ठी/परिसंवाद/व्याख्यानमाला आदि आयोजित करने पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक विभागों द्वारा संगोष्ठी, परिसंवाद, व्याख्यानमाला, परिचर्चा आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिये।

संस्तुति - उक्त कार्यक्रमों के आयोजनों में होने वाला व्ययभार विश्वविद्यालय में कम आये, इसके लिए उपाय अपनाये जाने चाहिये। उचित होगा कि इसके लिए प्रतिभागियों से शुल्क लिया जाए।

कार्यान्वयन – समस्त अध्यापन विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

क्र. 12 – युवा महोत्सव आयोजन के सम्बन्ध में।

टीप - युवा उत्सव, छात्र-छात्राओं के कौशल, प्रतिभा, तथा शारीरिक क्षमता विकास को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक है।

संस्तुति - युवा उत्सव में सहभागिता के लिए शुल्क कितना रखा जाये? इस विषय पर सदस्यों ने विचार प्रस्तुत किये। जिसमें छात्रों की ओर से मनोनीत सदस्य श्री शिवांश शुक्ल (छात्र प्रतिनिधि) तथा यशस्वी जांगलवा (छात्रा प्रतिनिधि) द्वारा प्रस्ताव किया गया कि स्थानीय छात्रों के लिए 300 रूपये तथा बाह्य छात्रों के लिए 500 रूपये शुल्क रखा जाये। इसे सर्वसम्मति से मान लिया गया।

कार्यान्वयन – संस्तुति अनुसार कार्यवाही की जा रही है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता
महर्षि पाणिनि संस्कृत

क्र. 13 – विश्वविद्यालय कुलगान रिकॉर्डिंग कराने पर विचार।

टीप - कुलगान, विश्वविद्यालय का संक्षिप्त किन्तु प्रभावशील परिचय माना जाता है। यह यदि संगीत के साथ प्रस्तुत हो तो इसका प्रभाव श्रोताओं पर विशेष असर डालता है।

संस्तुति - विश्वविद्यालय का कुलगीत, समिति द्वारा तैयार कर विद्यापरिषद् एवं कार्यपरिषद् द्वारा अंगीकृत किया जा चूका है। तदनुसार विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षान्त समारोह 02 दिसम्बर 2019 को कुलगान का विमोचन माननीय राज्यपाल जी तथा कुलाधिपति जी के करकमलों से सम्पन्न हुआ, तथा उनकी पावन उपस्थिति में दीक्षांत समारोह के शुभ अवसर पर इसका सरस गान प्रस्तुत किया गया। अब उसकी व्यवस्थित रिकार्डिंग अपेक्षित है। जिससे उसकी धुन तथा शब्द अपरिवर्तनीय यथावत् रहे एवं एक प्रकार की गेयता बनी रहे। अतः उज्जैन के शा.संगीत महाविद्यालय के सहयोग से अथवा विश्वविद्यालय द्वारा सीधे ही इसकी रिकार्डिंग करवायी जा सकती है।

कार्यान्वयन – स्थापना शाखा द्वारा रिकॉर्डिंग करवाई जा चुकी है।

विषय क्रमांक 02 – विश्वविद्यालय में सञ्चालित डिप्लोमा पाठ्यसामग्री का प्रकाशन करने पर विचार।

टीप – विश्वविद्यालय के आचार्यों द्वारा डिप्लोमा पाठयक्रमों की पाठ्यसामग्री का लेखन किया जा रहा है। जिसका प्रकाशन आगामि दीक्षान्त समारोह के अवसर पर किया जाए।

संस्तुति – टीप अनुसार आवश्यक कारवाही की जाए।

कार्यान्वयन – विश्वविद्यालय अध्यापन विभाग

विषय क्रमांक 03 – NAAC के मूल्याङ्कण हेतु तैयारी पर विचार।

टीप – विश्वविद्यालय का नैक द्वारा मूल्याङ्कण कराया जाना है। जिसकी तैयारी करने के लिए एक टीम का गठन किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – टीप अनुसार नैक के सातों क्रायेटेरिया के कार्य सम्पादन हेतु पृथक पृथक संयोजक नियुक्त किए जाए।

कार्यान्वयन – आई. क्यू. ए. सी.

विषय क्रमांक 04 - विश्वविद्यालय में संस्कृत सप्ताह का आयोजन ऑनलाईन करने विषयक।

टीप – वि. वि. में कार्यरत शिक्षकों तथा कर्मचारियो में तथा छात्रछात्राओं में संस्कृत के प्रति अभिरूचि महत्त्व तथा संस्कृत भाषा का सम्भाषण गत कौशल विकास हेतु संस्कृत सप्ताह का आयोजन आभासीय पटल पर किया जाना प्रस्तावित है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक वि. विद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

संस्तुति – संस्कृत सप्ताह महोत्सव के अन्तर्गत (31.07.2020 से 06.08.2020 तक) संस्कृत सम्भाषण प्रशिक्षण तथा अन्य प्रासङ्गिक विषयों पर विशिष्ट विद्वानों के व्याख्यानो का आयोजन आभासीय पटल पर किया जाए।

कार्यान्वयन – संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा किया जाए।

विषय क्रमांक 05 – विश्वविद्यालय में सञ्चालित डिप्लोमा पाठ्यक्रम की पढाई ऑनलाइन करने विषयक।

टीप – कोविड 19 के राष्ट्रव्यापी दुष्प्रभाव के चलते छात्रों को ऑफलाइन उपस्थित रहकर पढने में कठिनाईयां हो सकती है। अतः डिप्लोमा कोर्स की पढाई आभासीय पटल के माध्यम से आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – टीप में उल्लिखित अनुसार कक्षाएं आयोजित की जाए।

कार्यान्वयन – समस्त अध्यापन विभाग।

विषय क्रमांक 06 – विश्वविद्यालय में सञ्चालित डिप्लोमा पाठ्यक्रमो की फीस कम करने विषयक।

टीप – कोविड 19 के राष्ट्रव्यापी दुष्प्रभाव के चलते छात्रों के सामने अनेक प्रकार की आर्थिक समस्याएं उत्पन्न हो गई है। छात्रों के भविष्य को ध्यान मे रखते हुए रोजगार मूलक डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की शुल्क में कमी किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – टीप में उल्लिखित अनुसार प्रस्ताव पर विचार कर कार्यान्वयन हेतु शुल्क निर्धारण समिति के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत कर यथाशीघ्र निर्णय लिया जाए।

कार्यान्वयन – परीक्षा विभाग।

विषय क्रं. 07 – अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय

निदेशक (IQAC)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक

विश्वविद्यालय, उज्जैन

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

C.G. Vijayakumar

कुलपतिः

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं

वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

पञ्चम वैठक की कार्य सूची

वैठक दिनांक – 09 जुलाई 2020

वैठक का समय – 11.00 A.M

विषय क्रमांक 01 – चतुर्थ वैठक में की गई संस्तुतिओं के कार्यान्वयन का अनुमोदन।

क्र. 01 – विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की धारा 12(B) की मान्यता प्राप्ति हेतु तैयारी।

टीप – विश्वविद्यालय के अधोसंरचना विकास तथा विविध एकाडेमिक आयोजनों के लिए व्यय होने वाले धन की सम्पूर्ति के लिए यह आवश्यक है कि विश्वविद्यालय को UGC की 12(B) की मान्यता यथाशीघ्र मिले। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा तय मापदण्डों की पूर्ति विश्वविद्यालयों को करना आवश्यक है। जिसके अंतर्गत न्यूनतम पाँच शैक्षणिक विभागों में एक आचार्य, दो सह- आचार्य तथा चार सहायक आचार्यों की नियमित नियुक्ति होना अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही भूमि, भवन तथा अधोसंरचना भी उपलब्ध हो।

संस्तुति - शासन द्वारा पाँच शैक्षणिक विभागों के लिए आचार्यों के पद स्वीकृत है किन्तु अनुदान के अभाव में पदपूर्ति नहीं हो पा रही है। अतः शासन को पत्र लिखकर पदपूर्ति करने की अनुमति तथा अनुदान प्राप्ति सम्बन्धी कार्यवाही शीघ्र की जानी चाहिये।

कार्यान्वयन – स्थापना शाखा द्वारा कार्यवाही प्रक्रिया में है।

क्र. 02 – राष्ट्रीय मूल्याङ्कन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) की मान्यता प्राप्ति हेतु तैयारी करना।

टीप – राष्ट्रीय मूल्याङ्कन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) की मान्यता प्राप्त करना विश्वविद्यालय के लए अत्यंत आवश्यक है। शैक्षणिक गुणवत्ता विकास, अधोसंरचना विकास, शोध परियोजना एवं एकाडेमिक कार्यों के लिए प्राप्त होने वाली विविध अनुदानों का आधार NAAC द्वारा प्राप्त ग्रेड होती है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

संस्तुति - नैक द्वारा ग्रेडिंग के आधारभूत सात बिन्दु हैं, अतः यह उचित होगा कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत आचार्यों को एक एक बिन्दु की सम्पूर्ति हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के लिए जिम्मेदारी दी जाये, जिसे छः से आठ महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखकर पूर्ण किया जाये एवं NAAC टीम से विश्वविद्यालय का निरीक्षण करवाने की प्रक्रिया की जाए।

कार्यान्वयन – आई. क्यू. ए. सी. द्वारा कार्य प्रगति पर है।

क्र. 03 – विश्वविद्यालय में संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लेखन, मुद्रण तथा प्रकाशन पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लेखन मुद्रण तथा प्रकाशन का कार्य विश्वविद्यालय द्वारा प्राथमिकता क्रम में किया जाना चाहिये। विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित ग्रन्थों से विद्यार्थियों को तथा अन्य इच्छुक अध्येताओं को अत्यन्त लाभ मिलेगा।

संस्तुति - पाठ्यक्रमों की यूनिट के अनुसार अथवा पूरा एक पाठ्यक्रम का लेखन विद्वान् तथा अनुभवी लेखकों से कराया जाना चाहिये। विश्वविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की इसमें अधिकाधिक सहभागिता हो तो अच्छा रहेगा। पाठ्यक्रम लेखको को विद्यापरिषद् द्वारा अनुशंसित मानदेय रू. 1000/- भी प्रदान किया जाना उचित होगा तथा लिखित पाठ्यक्रम को ISBN में विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित किया जाना उचित होगा।

कार्यान्वयन – संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा प्रक्रिया में है।

क्र. 04 – विश्वविद्यालय के शोध केन्द्र/ शिक्षण केन्द्र मध्यप्रदेश के विविध अञ्चलों में स्थापित करने विषयक।

टीप - विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की सम्पूर्ति के ले यह आवश्यक है कि विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में, तत् तत् स्थानों में कार्यरत शैक्षणिक संस्थाओं के साथ अनुबन्ध करके शिक्षण केन्द्र तथा शोध केन्द्र स्थापित किये जायें। जहाँ प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, डिग्री, पाठ्यक्रमों के अध्यापन के साथ शोधकार्य भी कराया जा सके।

संस्तुति – टीप अनुसार कार्यवाही की जाए। डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रमों को अध्यापन ऑनलाइन भी किया जा सकता है केवल परीक्षा देने के ले विद्यार्थी परीक्षा केन्द्रों में आये, इससे नौकरी पेशा तथा व्यापार आदि अन्य कार्य में लगे हुए व्यक्ति भी लाभान्वित हो सकेंगे। कक्षायें शाम को या रात्रि में चलायी जा सकती है।

कार्यान्वयन – संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा प्रक्रिया में है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

क्र. 05 – विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (ओपन डिस्टेंस एजूकेशन) आरम्भ करने पर विचार।

टीप - दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम आज की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता है। हर आयुवर्ग के व्यक्तियों का रुझान संस्कृत शिक्षा के प्रति बढ़ रहा है। किन्तु दूरस्थ व्यक्ति चाहकर भी कक्षाओं में उपस्थित नही हो पाता है। जो नौकरी आद किसी भी प्रकार के सेवाकार्य व्यवसाय आदि में लगे हुए है उनके लिए दूरस्थ शिक्षा अत्यन्त उपयोगी होती है।

संस्तुति - यह विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त उपयोगी एवं लाभदायक पाठ्यक्रम है। अतः दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्र प्रारम्भ करने हेतु इग्नू से मार्गदर्शन लिया जा सकता है।

कार्यान्वयन – कुलसचिव कार्यालय द्वारा कार्ययोजना वनाई जा रही है।

क्र. 06 – शास्त्री शिक्षाशास्त्री (B.A. + B. Ed.) एकीकृत पाठ्यक्रम/विभाग की अधोसंरचना विकास तथा NCTE द्वारा वांछित अर्हताओं की पूर्ति।

टीप - शास्त्री + शिक्षाशास्त्री (B.A. + B. Ed.) एकीकृत पाठ्यक्रम के लिए अपेक्षित अधोसंरचनाओं की पूर्ति किया जाना अत्यावश्यक है। NCTE द्वारा वांछित अर्हताओं में नियमित प्राध्यापकों की नियुक्ति, पर्याप्त अध्यापन कक्ष, सेमीनार हाल (200 सीटों का) कम्प्यूटर प्रयोगशाला, मनोविज्ञान प्रयोगशाला, स्टाफ रूप, HOD रूप, कार्यालय, कीडांगण आदि की अनिवार्य अपेक्षा है।

संस्तुति – उक्त की पूर्ति किये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाये। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से अपेक्षित अनुदान के लिए शासन को मांगपत्र प्रेषित किया जाना चाहिये।

कार्यान्वयन – कुलसचिव कार्यालय द्वारा प्रक्रिया में है।

क्र. 07 – विश्वविद्यालय परिसर में नक्षत्र वाटिका, यज्ञशाला, कम्प्यूटर लैब, योगभवन, स्मार्ट क्लासरूम आदि की व्यवस्था करने पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में ज्योतिष, वेद (कर्मकाण्ड), कम्प्यूटर, योग आदि प्रायोगिक विषयों का अध्ययन-अध्यापन चल रहा है। अतः उक्त विषयों के प्रायोगिक अध्ययन के लिए संसाधनों की महती आवश्यकता है।

संस्तुति - ज्योतिष नक्षत्र वाटिका, यज्ञशाला, कम्प्यूटर लैब, योग भवन तथा स्मार्ट क्लास रूप की व्यवस्था करने हेतु कार्यवाही की जानी जाहिये। इसे चरणबद्ध तरीके से आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए किया जा सकता है।

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

कार्यान्वयन – निर्माण शाखा/स्थापना शाखा कार्ययोजना वनाई जा रही है।

क्र. 08 – ग्रन्थालय (पुस्तकालय) को समृद्ध तथा सुविधायुक्त बनाने पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में पुस्तकालय के लिए भवन नही है, अभी यह अध्यापन कक्ष में ही चल रहा है। पुस्तकें भी अत्यधिक न्यून है।

संस्तुति - पुस्तकालय शिक्षण संस्थान की आत्मा कहा गया है, अतः इसकी समुचित व्यवस्था किया जाना सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिये। पुस्तकालय भवन तथा पुस्तकें क्रय करने हेतु आवश्यक बजट बनाकर शासन की और मांगपत्र भेजा जाना चाहिये।

कार्यान्वयन – पुस्तकालय विभाग द्वारा कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

क्र. 09 – शिक्षण/अध्यापन कक्षों पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में इस समय चार संकाय तथा सात शिक्षण विभाग चल रहे है। पाठ्यक्रमों/कक्षाओं की संख्या 20 से अधिक है। जबकि अभी विश्वविद्यालय के पास केवल 08 कक्ष ही अध्यापन के लिए है।

संस्तुति - अध्यापन कक्षों की अत्यन्त न्यूनता है। अतः प्रथम चरण में न्यूनतम 10 अध्यापन कक्षों के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजना आवश्यक होगा।

कार्यान्वयन – निर्माण शाखा द्वारा कार्य प्रक्रिया में है।

क्र. 10 – प्राध्यापकों की क्रमोन्नति/पदोन्नति/अग्रिम वेतनमान में स्थानन करने पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में कार्यरत नियमित प्राध्यापकों के क्रमोन्नति/पदोन्नति की प्रक्रिया किया जाना है।

संस्तुति – इस हेतु एक आंतरिक समिति का गठन किया जाना चाहिये जो सम्बन्धित प्राध्यापक की शैक्षणिक परिलब्धियों की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करे। पश्चात् सहायक आचार्यों के क्रमोन्नति हेतु विशेषज्ञ समिति का गठन कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जानी चाहिये। इसी क्रम में एसो.प्रोफेसर से प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत करने हेतु विशेषज्ञ समिति का गठन कर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण की जानी जाहिये। उक्त प्रक्रिया यूजीसी तथा म.प्र.शासन के नियमों के अधीन सम्पादित की जानी चाहिये।

कार्यान्वयन – स्थापना शाखा द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

क्र. 11 – विभागीय संगोष्ठी/परिसंवाद/व्याख्यानमाला आदि आयोजित करने पर विचार।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

टीप - विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक विभागों द्वारा संगोष्ठी, परिसंवाद, व्याख्यानमाला, परिचर्चा आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिये।

संस्तुति - उक्त कार्यक्रमों के आयोजनों में होने वाला व्ययभार विश्वविद्यालय में कम आये, इसके लिए उपाय अपनाये जाने चाहिये। उचित होगा कि इसके लिए प्रतिभागियों से शुल्क लिया जाए।

कार्यान्वयन – समस्त अध्यापन विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

क्र. 12 – युवा महोत्सव आयोजन के सम्बन्ध में।

टीप - युवा उत्सव, छात्र-छात्राओं के कौशल, प्रतिभा, तथा शारीरिक क्षमता विकास को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक है।

संस्तुति - युवा उत्सव में सहभागिता के लिए शुल्क कितना रखा जाये? इस विषय पर सदस्यों ने विचार प्रस्तुत किये। जिसमें छात्रों की ओर से मनोनीत सदस्य श्री शिवांश शुक्ल (छात्र प्रतिनिधि) तथा यशस्वी जांगलवा (छात्रा प्रतिनिधि) द्वारा प्रस्ताव किया गया कि स्थानीय छात्रों के लिए 300 रूपये तथा बाह्य छात्रों के लिए 500 रूपये शुल्क रखा जाये। इसे सर्वसम्मति से मान लिया गया।

कार्यान्वयन – संस्तुति अनुसार कार्यवाही की जा रही है।

क्र. 13 – विश्वविद्यालय कुलगान रिकॉर्डिंग कराने पर विचार।

टीप - कुलगान, विश्वविद्यालय का संक्षिप्त किन्तु प्रभावशील परिचय माना जाता है। यह यदि संगीत के साथ प्रस्तुत हो तो इसका प्रभाव श्रोताओं पर विशेष असर डालता है।

संस्तुति - विश्वविद्यालय का कुलगीत, समिति द्वारा तैयार कर विद्यापरिषद् एवं कार्यपरिषद् द्वारा अंगीकृत किया जा चूका है। तदनुसार विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षान्त समारोह 02 दिसम्बर 2019 को कुलगान का विमोचन माननीय राज्यपाल जी तथा कुलाधिपति जी के करकमलों से सम्पन्न हुआ, तथा उनकी पावन उपस्थिति में दीक्षांत समारोह के शुभ अवसर पर इसका सरस गान प्रस्तुत किया गया। अब उसकी व्यवस्थित रिकार्डिंग अपेक्षित है। जिससे उसकी धुन तथा शब्द अपरिवर्तनीय यथावत् रहे एवं एक प्रकार की गेयता बनी रहे। अतः उज्जैन के शा.संगीत महाविद्यालय के सहयोग से अथवा विश्वविद्यालय द्वारा सीधे ही इसकी रिकार्डिंग करवायी जा सकती है।

कार्यान्वयन – स्थापना शाखा द्वारा रिकॉर्डिंग करवाई जा चुकी है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

विषय क्रमांक 02 – विश्वविद्यालय में सञ्चालित डिप्लोमा पाठ्यसामग्री का प्रकाशन करने पर विचार।

टीप – विश्वविद्यालय के आचार्यों द्वारा डिप्लोमा पाठयक्रमों की पाठ्यसामग्री का लेखन किया जा रहा है। जिसका प्रकाशन आगामि दीक्षान्त समारोह के अवसर पर किया जाए।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 03 – NAAC के मूल्याङ्कण हेतु तैयारी पर विचार।

टीप – विश्वविद्यालय का नैक द्वारा मूल्याङ्कण कराया जाना है। जिसकी तैयारी करने के लिए एक टीम का गठन किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 04 - विश्वविद्यालय में संस्कृत सप्ताह का आयोजन ऑनलाईन करने विषयक।

टीप – वि. वि. में कार्यरत शिक्षकों तथा कर्मचारियो में तथा छात्रछात्राओं में संस्कृत के प्रति अभिरूचि महत्त्व तथा संस्कृत भाषा का सम्भाषण गत कौशल विकास हेतु संस्कृत सप्ताह का आयोजन आभासीय पटल पर किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 05 – विश्वविद्यालय में सञ्चालित डिप्लोमा पाठ्यक्रम की पढाई ऑनलाइन करने विषयक।

टीप – कोविड 19 के राष्ट्रव्यापी दुष्प्रभाव के चलते छात्रों को ऑफलाइन उपस्थित रहकर पढने में कठिनाईयां हो सकती है। अतः डिप्लोमा कोर्स की पढाई आभासीय पटल के माध्यम से आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 06 – विश्वविद्यालय में सञ्चालित डिप्लोमा पाठ्यक्रमो की फीस कम करने विषयक।

टीप – कोविड 19 के राष्ट्रव्यापी दुष्प्रभाव के चलते छात्रों के सामने अनेक प्रकार की आर्थिक समस्याएं उत्पन्न हो गई है। छात्रों के भविष्य को ध्यान मे रखते हुए रोजगार मूलक डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की शुल्क में कमी किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

विषय क्रमांक 07 – अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय

निदेशक

आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

क./आई.क्यू. ए. सी/20/89 दिनांक – 02.07.2020

आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

सूचना

प्रति,

सम्माननीय सदस्य गण

आई. क्यू. ए. सी.

म.पा.सं.वि.वि, उज्जैन

विषय – आई. क्यू. ए. सी की वैठक में उपस्थित होने विषयक।

महोदय,

सहर्ष सूच्य है कि आई.क्यू.ए.सी की पाँचवी वैठक आई.क्यू.ए.सी के अध्यक्ष माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार दिनांक 09.07.2020 को गुगल मीट् पर ऑनलाइन वैठक आयोजित की गई है।

कृपया उपस्थित होकर बहुमूल्य सुझावों से उपकृत करने का कष्ट करें।

संलग्न – वैठक की कार्यसूची

निदेशक

आई.क्यु.ए.सी

क./आई.क्यू. ए. सी/20/10 दिनांक – 02.07.2020

प्रतिलिपि सूचनार्थ–

1. माननीय कुलपति के निज सहायक, म.पा.सं.वै.वि.वि, उज्जैन
2. श्रीमान् कुलसचिव के निज सहायक, म.पा.सं.वै.वि.वि, उज्जैन
3. वित्त नियन्त्रक, म.पा.सं.वै.वि.वि, उज्जैन
4. सभी सम्माननीय सदस्य गण की ओर सूचनार्थ
5. गार्डफाइल

निदेशक

आई.क्यु.ए.सी

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक वि.वि., उज्जैन (म.प्र.)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

क्र./मपासंवि/आई.क्यू. ए. सी/20/68 दिनांक – 14.02.2020

आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

चतुर्थ वैठक का कार्यवृत्त

वैठक दिनांक – 14 फरवरी 2020

वैठक का समय – 12.00 A.M

विषय क्रमांक 01 – तृतीय वैठक में की गई संस्तुतिओं के कार्यान्वयन का अनुमोदन।

क्र. 01 – नवीन प्रवेशित छात्रों के लिए प्रेरणा व्याख्यान आयोजित करने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय में नव प्रवेशित छात्रों के लिए संस्कृत विद्या के महत्त्व को रेखांकित करने की दृष्टि से व्याख्यान अपेक्षित है।

संस्तुति – सत्रारम्भ के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया जाए।

कार्यान्वयन – विश्वविद्यालय अध्यापन विभाग द्वारा सत्रारम्भ दिनांक 15 जुलाई 2019 के अवसर पर प्रेरणा व्याख्यान का आयोजन किया गया। उक्त व्याख्यान अध्यापन विभागो के विभागाध्यक्ष/समन्वयक डॉ. तुलसीदास परौहा द्वारा प्रदान किया गया।

क्र. 02 – विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों तथा कर्मचारियों के लिए संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

टीप – वि. वि. में कार्यरत शिक्षकों तथा कर्मचारियो में संस्कृत भाषा का सम्भाषण गत कौशल विकास हेतु विशिष्ट शिविर आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – अगस्त माह में दश दिवसीय आवासीय संस्कृत प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया जाए।

कार्यान्वयन – संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा 16 अगस्त से 25 अगस्त तक दश दिवसीय संस्कृत प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। जिसमें शास्त्री तथा वी.ए कक्षा के छात्रो ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

क्र. 03 – परिसर में पौधारोपण करवाने विषयक

टीप – विश्वविद्यालय का परिसर हरा भरा करने की दृष्टि से परिसर में पौधारोपण किया जाना आवश्यक है।

संस्तुति – पीपल, वर्गद, नीम जैसे पौधे विशेष रूप से लगाए जाए।

कार्यान्वयन – राष्ट्रिय सेवा योजना ईकाई द्वारा दिनांक 16 जुलाई 2019 को 501 पौधे लगाए गए।

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रको.
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

क्र. 04 – विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की धारा 12(B) की मान्यता तथा नैक (NAAC) का मूल्याङ्कन सम्पन्न कराने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता सम्बर्धन के लिए तथा आर्थिक अनुदान की सम्प्राप्ति के लिए यू. जी. सी. की 12(B) के तहत मान्यता एवं नैक द्वारा विश्वविद्यालय का मूल्याङ्कन।

संस्तुति – टीप अनुसार आवश्यक कार्यवाही प्रारम्भ की जाए।

कार्यान्वयन – आई.क्यू.ए.सी द्वारा कार्यवाही प्रचलन में है।

विषय क्रमांक 02 – विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की धारा 12(B) की मान्यता प्राप्ति हेतु तैयारी।

टीप – विश्वविद्यालय के अधोसंरचना विकास तथा विविध एकाडेमिक आयोजनों के लिए व्यय होने वाले धन की सम्पूर्ति के लिए यह आवश्यक है कि विश्वविद्यालय को UGC की 12(B) की मान्यता यथाशीघ्र मिले। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा तय मापदण्डों की पूर्ति विश्वविद्यालयों को करना आवश्यक है। जिसके अंतर्गत न्यूनतम पाँच शैक्षणिक विभागों में एक आचार्य, दो सह- आचार्य तथा चार सहायक आचार्यों की नियमित नियुक्ति होना अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही भूमि, भवन तथा अधोसंरचना भी उपलब्ध हो।

संस्तुति - शासन द्वारा पाँच शैक्षणिक विभागों के लिए आचार्यों के पद स्वीकृत है किन्तु अनुदान के अभाव में पदपूर्ति नहीं हो पा रही है। अतः शासन को पत्र लिखकर पदपूर्ति करने की अनुमति तथा अनुदान प्राप्ति सम्बन्धी कार्यवाही शीघ्र की जानी चाहिये।

कार्यान्वयन – स्थापना शाखा एवं कुलसचिव कार्यालय।

विषय क्रमांक 03 – राष्ट्रीय मूल्याङ्कन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) की मान्यता प्राप्ति हेतु तैयारी करना।

टीप – राष्ट्रीय मूल्याङ्कन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) की मान्यता प्राप्त करना विश्वविद्यालय के लए अत्यंत आवश्यक है। शैक्षणिक गुणवत्ता विकास, अधोसंरचना विकास, शोध परियोजना एवं एकाडेमिक कार्यों के लिए प्राप्त होने वाली विविध अनुदानों का आधार NAAC द्वारा प्राप्त ग्रेड होती है।

संस्तुति - नैक द्वारा ग्रेडिंग के आधारभूत सात बिन्दु हैं, अतः यह उचित होगा कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत आचार्यों को एक एक बिन्दु की सम्पूर्ति हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के लिए जिम्मेदारी दी जाये, जिसे छः से आठ महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखकर पूर्ण किया जाये एवं NAAC टीम से विश्वविद्यालय का निरीक्षण करवाने की प्रक्रिया की जाए।

कार्यान्वयन – आई. क्यू. ए. सी.

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

विषय क्रमांक 04 – विश्वविद्यालय में संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लेखन, मुद्रण तथा प्रकाशन पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लेखन मुद्रण तथा प्रकाशन का कार्य विश्वविद्यालय द्वारा प्राथमिकता क्रम में किया जाना चाहिये। विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित ग्रन्थों से विद्यार्थियों को तथा अन्य इच्छुक अध्येताओं को अत्यन्त लाभ मिलेगा।

संस्तुति - पाठ्यक्रमों की यूनिट के अनुसार अथवा पूरा एक पाठ्यक्रम का लेखन विद्वान् तथा अनुभवी लेखकों से कराया जाना चाहिये। विश्वविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की इसमें अधिकाधिक सहभागिता हो तो अच्छा रहेगा। पाठ्यक्रम लेखको को विद्यापरिषद् द्वारा अनुशंसित मानदेय रू. 1000/- भी प्रदान किया जाना उचित होगा तथा लिखित पाठ्यक्रम को ISBN में विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित किया जाना उचित होगा।

कार्यान्वयन – संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र

विषय क्रमांक 05 – विश्वविद्यालय के शोध केन्द्र/ शिक्षण केन्द्र मध्यप्रदेश के विविध अञ्चलों में स्थापित करने विषयक।

टीप - विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की सम्पूर्ति के ले यह आवश्यक है कि विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में, तत् तत् स्थानों में कार्यरत शैक्षणिक संस्थाओं के साथ अनुबन्ध करके शिक्षण केन्द्र तथा शोध केन्द्र स्थापित किये जायें। जहाँ प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, डिग्री, पाठ्यक्रमों के अध्यापन के साथ शोधकार्य भी कराया जा सके।

संस्तुति – टीप अनुसार कार्यवाही की जाए। डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रमों को अध्यापन ऑनलाइन भी किया जा सकता है केवल परीक्षा देने के ले विद्यार्थी परीक्षा केन्द्रों में आये, इससे नौकरी पेशा तथा व्यापार आदि अन्य कार्य में लगे हुए व्यक्ति भी लाभान्वित हो सकेंगे। कक्षायें शाम को या रात्रि में चलायी जा सकती है।

कार्यान्वयन – संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र

विषय क्रमांक 06 – विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (ओपन डिस्टेंस एजूकेशन) आरम्भ करने पर विचार।

टीप - दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम आज की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता है। हर आयुवर्ग के व्यक्तियों का रुझान संस्कृत शिक्षा के प्रति बढ़ रहा है। किन्तु दूरस्थ व्यक्ति चाहकर भी कक्षाओं में उपस्थित नही हो पाता है। जो नौकरी आद किसी भी प्रकार के सेवाकार्य व्यवसाय आदि में लगे हुए है उनके लिए दूरस्थ शिक्षा अत्यन्त उपयोगी होती है।

संस्तुति - यह विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त उपयोगी एवं लाभदायक पाठ्यक्रम है। अतः दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्र प्रारम्भ करने हेतु इग्नू से मार्गदर्शन लिया जा सकता है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रको
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

कार्यान्वयन – कुलसचिव कार्यालय।

विषय क्रमांक 07 – शास्त्री शिक्षाशास्त्री (B.A. + B. Ed.) एकीकृत पाठ्यक्रम/विभाग की अधोसंरचना विकास तथा NCTE द्वारा वांछित अर्हताओं की पूर्ति।

टीप - शास्त्री + शिक्षाशास्त्री (B.A. + B. Ed.) एकीकृत पाठ्यक्रम के लिए अपेक्षित अधोसंरचनाओं की पूर्ति किया जाना अत्यावश्यक है। NCTE द्वारा वांछित अर्हताओं में नियमित प्राध्यापकों की नियुक्ति, पर्याप्त अध्यापन कक्ष, सेमीनार हाल (200 सीटों का) कम्प्यूटर प्रयोगशाला, मनोविज्ञान प्रयोगशाला, स्टाफ रूप, HOD रूप, कार्यालय, कीडांगण आदि की अनिवार्य अपेक्षा है।

संस्तुति – उक्त की पूर्ति किये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाये। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से अपेक्षित अनुदान के लिए शासन को मांगपत्र प्रेषित किया जाना चाहिये।

कार्यान्वयन – कुलसचिव कार्यालय।

विषय क्रमांक 08 – विश्वविद्यालय परिसर में नक्षत्र वाटिका, यज्ञशाला, कम्प्यूटर लैब, योगभवन, स्मार्ट क्लासरूम आदि की व्यवस्था करने पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में ज्योतिष, वेद (कर्मकाण्ड), कम्प्यूटर, योग आदि प्रायोगिक विषयों का अध्ययन-अध्यापन चल रहा है। अतः उक्त विषयों के प्रायोगिक अध्ययन के लिए संसाधनों की महती आवश्यकता है।

संस्तुति - ज्योतिष नक्षत्र वाटिका, यज्ञशाला, कम्प्यूटर लैब, योग भवन तथा स्मार्ट क्लास रूप की व्यवस्था करने हेतु कार्यवाही की जानी जाहिये। इसे चरणबद्ध तरीके से आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए किया जा सकता है।

कार्यान्वयन – निर्माण शाखा/स्थापना शाखा

विषय क्रमांक 09 – ग्रन्थालय (पुस्तकालय) को समृद्ध तथा सुविधायुक्त बनाने पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में पुस्तकालय के लिए भवन नही है, अभी यह अध्यापन कक्ष में ही चल रहा है। पुस्तकें भी अत्यधिक न्यून है।

संस्तुति - पुस्तकालय शिक्षण संस्थान की आत्मा कहा गया है, अतः इसकी समुचित व्यवस्था किया जाना सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिये। पुस्तकालय भवन तथा पुस्तकें क्रय करने हेतु आवश्यक बजट बनाकर शासन की और मांगपत्र भेजा जाना चाहिये।

कार्यान्वयन – पुस्तकालय विभाग।

विषय क्रमांक 10 – शिक्षण/अध्यापन कक्षों पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में इस समय चार संकाय तथा सात शिक्षण विभाग चल रहे है। पाठ्यक्रमों/कक्षाओं की संख्या 20 से अधिक है। जबकि अभी विश्वविद्यालय के पास केवल 08 कक्ष ही अध्यापन के लिए है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

संस्तुति - अध्यापन कक्षों की अत्यन्त न्यूनता है। अतः प्रथम चरण में न्यूनतम 10 अध्यापन कक्षों के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजना आवश्यक होगा।

कार्यान्वयन – निर्माण शाखा

विषय क्रमांक 11 – प्राध्यापकों की क्रमोन्नति/पदोन्नति/अग्रिम वेतनमान में स्थानन करने पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में कार्यरत नियमित प्राध्यापकों के क्रमोन्नति/पदोन्नति की प्रक्रिया किया जाना है।

संस्तुति – इस हेतु एक आंतरिक समिति का गठन किया जाना चाहिये जो सम्बन्धित प्राध्यापक की शैक्षणिक परिलब्धियों की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करे। पश्चात् सहायक आचार्यों के क्रमोन्नति हेतु विशेषज्ञ समिति का गठन कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जानी चाहिये। इसी क्रम में एसो.प्रोफेसर से प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत करने हेतु विशेषज्ञ समिति का गठन कर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण की जानी जाहिये। उक्त प्रक्रिया यूजीसी तथा म.प्र.शासन के नियमों के अधीन सम्पादित की जानी चाहिये।

कार्यान्वयन – स्थापना शाखा

विषय क्रमांक 12 – विभागीय संगोष्ठी/परिसंवाद/व्याख्यानमाला आदि आयोजित करने पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक विभागों द्वारा संगोष्ठी, परिसंवाद, व्याख्यानमाला, परिचर्चा आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिये।

संस्तुति - उक्त कार्यक्रमों के आयोजनों में होने वाला व्ययभार विश्वविद्यालय में कम आये, इसके लिए उपाय अपनाये जाने चाहिये। उचित होगा कि इसके लिए प्रतिभागियों से शुल्क लिया जाए।

कार्यान्वयन – समस्त अध्यापन विभाग।

विषय क्रमांक 13 – युवा महोत्सव आयोजन के सम्बन्ध में।

टीप - युवा उत्सव, छात्र-छात्राओं के कौशल, प्रतिभा, तथा शारीरिक क्षमता विकास को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक है।

संस्तुति - युवा उत्सव में सहभागिता के लिए शुल्क कितना रखा जाये? इस विषय पर सदस्यों ने विचार प्रस्तुत किये। जिसमें छात्रों की ओर से मनोनीत सदस्य श्री शिवांश शुक्ल (छात्र प्रतिनिधि) तथा यशस्वी जांगलवा (छात्रा प्रतिनिधि) द्वारा प्रस्ताव किया गया कि स्थानीय छात्रों के लिए 300 रूपये तथा बाह्य छात्रों के लिए 500 रूपये शुल्क रखा जाये। इसे सर्वसम्मति से मान लिया गया।

कार्यान्वयन – छात्र कल्याण अधिष्ठाता।

विषय क्रमांक 14 – विश्वविद्यालय कुलगान रिकॉर्डिंग कराने पर विचार।

टीप - कुलगान, विश्वविद्यालय का संक्षिप्त किन्तु प्रभावशील परिचय माना जाता है। यह यदि संगीत के साथ प्रस्तुत हो तो इसका प्रभाव श्रोताओं पर विशेष असर डालता है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

संस्तुति - विश्वविद्यालय का कुलगीत, समिति द्वारा तैयार कर विद्यापरिषद् एवं कार्यपरिषद् द्वारा अंगीकृत किया जा चूका है। तदनुसार विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षान्त समारोह 02 दिसम्बर 2019 को कुलगान का विमोचन माननीय राज्यपाल जी तथा कुलाधिपति जी के करकमलों से सम्पन्न हुआ, तथा उनकी पावन उपस्थिति में दीक्षांत समारोह के शुभ अवसर पर इसका सरस गान प्रस्तुत किया गया। अब उसकी व्यवस्थित रिकार्डिंग अपेक्षित है। जिससे उसकी धुन तथा शब्द अपरिवर्तनीय यथावत् रहे एवं एक प्रकार की गेयता बनी रहे। अतः उज्जैन के शा.संगीत महाविद्यालय के सहयोग से अथवा विश्वविद्यालय द्वारा सीधे ही इसकी रिकार्डिंग करवायी जा सकती है।

कार्यान्वयन – स्थापना शाखा

विषय क्रमांक 15 – अध्यक्ष की अनुमति से।

निरंक

निदेशक (IQAC)
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक
विश्वविद्यालय, उज्जैन

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

कुलपतिः
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं
वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

चतुर्थ वैठक का कार्य सूची

वैठक दिनांक – 14 फरवरी 2020

वैठक का समय – 12.00 A.M

विषय क्रमांक 01 – तृतीय वैठक में की गई संस्तुतिओं के कार्यान्वयन का अनुमोदन।

क्र. 01 – नवीन प्रवेशित छात्रों के लिए प्रेरणा व्याख्यान आयोजित करने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय में नव प्रवेशित छात्रों के लिए संस्कृत विद्या के महत्त्व को रेखांकित करने की दृष्टि से व्याख्यान अपेक्षित है।

संस्तुति – सत्रारम्भ के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया जाए।

कार्यान्वयन – विश्वविद्यालय अध्यापन विभाग द्वारा सत्रारम्भ दिनांक 15 जुलाई 2019 के अवसर पर प्रेरणा व्याख्यान का आयोजन किया गया। उक्त व्याख्यान अध्यापन विभागो के विभागाध्यक्ष/समन्वयक डॉ. तुलसीदास परौहा द्वारा प्रदान किया गया।

क्र. 02 – विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों तथा कर्मचारियों के लिए संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

टीप – वि. वि. में कार्यरत शिक्षकों तथा कर्मचारियो में संस्कृत भाषा का सम्भाषण गत कौशल विकास हेतु विशिष्ट शिविर आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – अगस्त माह में दश दिवसीय आवासीय संस्कृत प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया जाए।

कार्यान्वयन – संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा 16 अगस्त से 25 अगस्त तक दश दिवसीय संस्कृत प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। जिसमें शास्त्री तथा वी.ए कक्षा के छात्रो ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

क्र. 03 – परिसर में पौधारोपण करवाने विषयक

टीप – विश्वविद्यालय का परिसर हरा भरा करने की दृष्टि से परिसर में पौधारोपण किया जाना आवश्यक है।

संस्तुति – पीपल, वर्गद, नीम जैसे पौधे विशेष रूप से लगाए जाए।

कार्यान्वयन – राष्ट्रिय सेवा योजना ईकाई द्वारा दिनांक 16 जुलाई 2019 को 501 पौधे लगाए गए।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

क्र. 04 – विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की धारा 12(B) की मान्यता तथा नैक (NAAC) का मूल्याङ्कन सम्पन्न कराने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता सम्बर्धन के लिए तथा आर्थिक अनुदान की सम्प्राप्ति के लिए यू. जी. सी. की 12(B) के तहत मान्यता एवं नैक द्वारा विश्वविद्यालय का मूल्याङ्कन।

संस्तुति – टीप अनुसार आवश्यक कार्यवाही प्रारम्भ की जाए।

कार्यान्वयन – आई.क्यू.ए.सी द्वारा कार्यवाही प्रचलन में है।

क्र. 05 - **अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय**

नेट-जे.आर.एफ शिक्षण प्रशिक्षण विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय में नेट-जे आर.एफ प्रशिक्षण आयोजित किया जाना है। जिसके लिए विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों को विशेष रूप से प्रशिक्षित करने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – टीप अनुसार कार्यवाही की जाए।

कार्यान्वयन – आई.क्यू.ए.सी द्वारा दिनांक 25.11.2019 से 15.12.2019 तक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के सभी शिक्षको ने भागग्रहण की।

विषय क्रमांक 02 – विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की धारा 12(B) की मान्यता प्राप्ति हेतु तैयारी।

टीप – विश्वविद्यालय के अधोसंरचना विकास तथा विविध एकाडेमिक आयोजनों के लिए व्यय होने वाले धन की सम्पूर्ति के लिए यह आवश्यक है कि विश्वविद्यालय को UGC की 12(B) की मान्यता यथाशीघ्र मिले। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा तय मापदण्डों की पूर्ति विश्वविद्यालयों को करना आवश्यक है। जिसके अंतर्गत न्यूनतम पाँच शैक्षणिक विभागों में एक आचार्य, दो सह- आचार्य तथा चार सहायक आचार्यों की नियमित नियुक्ति होना अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही भूमि, भवन तथा अधोसंरचना भी उपलब्ध हो।

संस्तुति -

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 3 – राष्ट्रीय मूल्याङ्कन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) की मान्यता प्राप्ति हेतु तैयारी करना।

टीप – राष्ट्रीय मूल्याङ्कन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) की मान्यता प्राप्त करना विश्वविद्यालय के लए अत्यंत आवश्यक है। शैक्षणिक गुणवत्ता विकास, अधोसंरचना विकास, शोध परियोजना एवं एकाडेमिक कार्यों के लिए प्राप्त होने वाली विविध अनुदानों का आधार NAAC द्वारा प्राप्त ग्रेड होती है।

संस्तुति -

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 4 – विश्वविद्यालय में संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लेखन, मुद्रण तथा प्रकाशन पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लेखन मुद्रण तथा प्रकाशन का कार्य विश्वविद्यालय द्वारा प्राथमिकता क्रम में किया जाना चाहिये। विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित ग्रन्थों से विद्यार्थियों को तथा अन्य इच्छुक अध्येताओं को अत्यन्त लाभ मिलेगा।

संस्तुति -

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 5 – विश्वविद्यालय के शोध केन्द्र/ शिक्षण केन्द्र मध्यप्रदेश के विविध अञ्चलों में स्थापित करने विषयक।

टीप - विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की सम्पूर्ति के ले यह आवश्यक है कि विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में, तत् तत् स्थानों में कार्यरत शैक्षणिक संस्थाओं के साथ अनुबन्ध करके शिक्षण केन्द्र तथा शोध केन्द्र स्थापित किये जायें। जहाँ प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, डिग्री, पाठ्यक्रमों के अध्यापन के साथ शोधकार्य भी कराया जा सके।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 6 – विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (ओपन डिस्टेंस एजूकेशन) आरम्भ करने पर विचार।

टीप - दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम आज की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता है। हर आयुवर्ग के व्यक्तियों का रुझान संस्कृत शिक्षा के प्रति बढ़ रहा है। किन्तु दूरस्थ व्यक्ति चाहकर भी कक्षाओं में उपस्थित नही हो पाता है। जो नौकरी आद किसी भी प्रकार के सेवाकार्य व्यवसाय आदि में लगे हुए है उनके लिए दूरस्थ शिक्षा अत्यन्त उपयोगी होती है।

संस्तुति -

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 7 – शास्त्री शिक्षाशास्त्री (B.A. + B. Ed.) एकीकृत पाठ्यक्रम/विभाग की अधोसंरचना विकास तथा NCTE द्वारा वांछित अर्हताओं की पूर्ति।

टीप - शास्त्री + शिक्षाशास्त्री (B.A. + B. Ed.) एकीकृत पाठ्यक्रम के लिए अपेक्षित अधोसंरचनाओं की पूर्ति किया जाना अत्यावश्यक है। NCTE द्वारा वांछित अर्हताओं में नियमित प्राध्यापकों की नियुक्ति, पर्याप्त

निदेशक

अध्यापन कक्ष, सेमीनार हाल (200 सीटों का) कम्प्यूटर प्रयोगशाला, मनोविज्ञान प्रयोगशाला, स्टाफ रूप, HOD रूप, कार्यालय, कीडांगण आदि की अनिवार्य अपेक्षा है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 8 – विश्वविद्यालय परिसर में नक्षत्र वाटिका, यज्ञशाला, कम्प्यूटर लैब, योगभवन, स्मार्ट क्लासरूम आदि की व्यवस्था करने पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में ज्योतिष, वेद (कर्मकाण्ड), कम्प्यूटर, योग आदि प्रायोगिक विषयों का अध्ययन-अध्यापन चल रहा है। अतः उक्त विषयों के प्रायोगिक अध्ययन के लिए संसाधनों की महती आवश्यकता है।

संस्तुति -

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 9 – ग्रन्थालय (पुस्तकालय) को समृद्ध तथा सुविधायुक्त बनाने पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में पुस्तकालय के लिए भवन नही है, अभी यह अध्यापन कक्ष में ही चल रहा है। पुस्तकें भी अत्यधिक न्यून है।

संस्तुति -

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 10 – शिक्षण/अध्यापन कक्षों पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में इस समय चार संकाय तथा सात शिक्षण विभाग चल रहे है। पाठ्यक्रमों/कक्षाओं की संख्या 20 से अधिक है। जबकि अभी विश्वविद्यालय के पास केवल 08 कक्ष ही अध्यापन के लिए है।

संस्तुति -

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 11 – प्राध्यापकों की क्रमोन्नति/पदोन्नति/अग्रिम वेतनमान में स्थानन करने पर विचार।

टीप - विश्वविद्यालय में कार्यरत नियमित प्राध्यापकों के क्रमोन्नति/पदोन्नति की प्रक्रिया किया जाना है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 12 – विभागीय संगोष्ठी/परिसंवाद/व्याख्यानमाला आदि आयोजित करने पर विचार।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

टीप - विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक विभागों द्वारा संगोष्ठी, परिसंवाद, व्याख्यानमाला, परिचर्चा आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिये।

संस्तुति -

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 13 – युवा महोत्सव आयोजन के सम्बन्ध में।

टीप - युवा उत्सव, छात्र-छात्राओं के कौशल, प्रतिभा, तथा शारीरिक क्षमता विकास को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक है।

संस्तुति -

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 14 – विश्वविद्यालय कुलगान रिकॉर्डिंग कराने पर विचार।

टीप - कुलगान, विश्वविद्यालय का संक्षिप्त किन्तु प्रभावशील परिचय माना जाता है। यह यदि संगीत के साथ प्रस्तुत हो तो इसका प्रभाव श्रोताओं पर विशेष असर डालता है।

संस्तुति -

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 15 – अध्यक्ष की अनुमति से।

निरंक

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रको

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

क्र./आई.क्यू. ए. सी/20/07 दिनांक – 05.02.2020

आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

सूचना

प्रति,

सम्माननीय सदस्य गण

आई. क्यू. ए. सी.

म.पा.सं.वि.वि, उज्जैन

विषय – आई. क्यू. ए. सी की वैठक में उपस्थित होने विषयक।

महोदय,

सहर्ष सूच्य है कि आई. क्यू. ए. सी की चतुर्थ वैठक आई.क्यू.ए.सी के अध्यक्ष माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार दिनांक 14.02.2020 को विश्वविद्यालय के पाणिनि कक्ष में आयोजित की गई है।

कृपया उपस्थित होकर बहुमूल्य सुझावों से उपकृत करने का कष्ट करें।

संलग्न – वैठक की कार्यसूची

निदेशक

आई.क्यु.ए.सी

क्र./आई.क्यू. ए. सी/20/08 दिनांक – 05.02.2020

प्रतिलिपि सूचनार्थ–

1. माननीय कुलपति के निज सहायक, म.पा.सं.वै.वि.वि, उज्जैन
2. श्रीमान् कुलसचिव के निज सहायक, म.पा.सं.वै.वि.वि, उज्जैन
3. वित्त नियन्त्रक, म.पा.सं.वै.वि.वि, उज्जैन
4. सभी सम्माननीय सदस्य गण की ओर सूचनार्थ
5. गार्डफाइल

निदेशक

आई.क्यु.ए.सी

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रको